

२२<sup>०२</sup>/<sub>२३</sub> वादी अधिवक्ता उपरिचत। प्रतिवादी संख्या १ की तलवी हेतु सम्पन्न तलवाना पेश हो। पत्रावली वास्तु तलवी दिनांक २२/०३/२३ को पेश हो।

२७<sup>०३</sup>/<sub>२३</sub>

समावली पेश हुई। शीघ्रतः माहीदय अन्य कार्य में खासा है। पत्रावली दिनांक २८/०४/२३ को पेश हो।

२५<sup>०४</sup>/<sub>२३</sub>

अधिवक्ता श्री मान पोसाव. पुज्य मेलन से पत्रावली दिनांक ०५/०७/२३ को पेश हो।

५<sup>०७</sup>/<sub>२३</sub>

वादी अधिवक्ता उपरिचत नहीं। वादी व वादी अधिवक्ता को सक-२ कर उबार आवाज लगावाई गई कोई उपरिचत नहीं आया। वादी का वादपत्र अद्वैत चरवी अदम हाजरी में इसी स्तर पर खारिज किया जाता है। पत्रावली विणीति होकर गम्बर से कर होकर वास्तु रफ्तार हो

अधिवक्ता (पत्रावली)  
अधिवक्ता

